

म्रसाधारण EXTRAORDINARY

भाग II---वाष 3---वाप (i) PART II--Section 3---Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 276]

मई विल्ली, सोमवार, ग्रगस्त 9, 1976/आवर्ण 18, 1898

No. 276]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 9, 1976/SRAVANA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture) NOTIFICATION

New Delhi, the 9th August 1976

G.S.R. 759(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Fertiliser (Control) Order, 1957 namely:—

- 1. (1) This Order may be called the Fertiliser (Control) seventh amendment Order, 1976.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In the said Order, in clause 20, in sub-clause (1), for paragraph (d), the following paragraph shall be substituted, namely:—
 - "(d). seize or detain any fertiliser in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has been committed. He may also seize any books of accounts or documents which in his opinion would be useful for, or relevant to any proceedings under this Order and return such books of account and documents to person from whom they were seized after copies thereof or extracts therefrom, as certified by such person have been taken:

Provided that where the owner or ofher person in charge of the fertiliser or books of accounts or documents so seized is known, the Inspector shall give a receipt to such owner or other person for such fertiliser or books of accounts or documents and in any other case, it shall not be necessary to give such receipt."

[No. 10-53/74-MPR-STU]

ANNA R. MALHOTRA, Jt. Secy.

कृषि ग्रीर सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

ग्रधिपूचना

नई दिल्ली, 9 मगस्त, 1976

सां० का० कि० 759(म).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 दारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1957 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

- 1. (1) इस आदेश का नाम उर्वरक (नियंत्रण) सातवां संशोधन आदेश, 1976
 - (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- 2. उक्त आदेश में खंड 20 के उपखंड (1) में, पैरा (घ) के स्थान पर निम्न-लिखित पैरा रखा जाएगा, अथित्:--
 - "(घ) किसी उर्वरक को, जिसकी बाबत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंबन किया गया है, प्रभिगृहीत या निरुद्ध कर सकेगा। वह किन्ही लेखा बहियों या वस्तावेजों को भी, जो उसकी राय में इस प्रावेश के अधीन किन्हीं कार्यवाहियों के लिए लाभजद या सुसंगत हो, प्रधिगृहीत कर सकेगा तथा ऐसा लेखा बहियों और दस्तावेजों को उस व्यक्ति को, जिससे वे अभिगृहीत की गई हों, ऐसे व्यक्ति द्वारा यथा प्रभावित उनकी जित्यों या उद्धरण लिए जाने के पश्चात्, लीटा देगा:

परन्तु अहां इस प्रकार भ्रमिगृहीत उर्वरक या लेखा बहियों या दस्तावेजों का स्थामी या श्रन्य भार साधक व्यक्ति जात है, वहां निरीक्षक ऐसे उर्वरक या लेखा बहियों या दस्ता-वेजों के ऐसे स्वामी या श्रन्य व्यक्ति को एक रसीद देगा श्रौर किसी भ्रन्य मामले में ऐसी रसीद देना भाकस्यक नहीं होगा।

> [सं॰ 10-53/74-एम पी मार-एम टी यू॰] मन्ना भार॰ मलहोता, संयुक्त सचित्र ।